

सूचना

दिनांक – 29/07/2019

महोदय/महोदया,

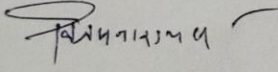
हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बिधानचंद्र कॉलेज, आसनसोल द्वारा 'प्रेमचंद जयन्ती' का आयोजन किया गया है। इस उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल के आंचलिक कथाकार शिव कुमार यादव जी शामिल होंगे। प्रस्तुत कार्यक्रम में विचार-विमर्श के साथ आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

दिनांक – 05 अगस्त 2019

समय – दोपहर 12 बजे से

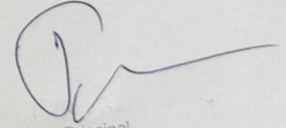
स्थान – सेमिनार हॉल, बिधानचंद्र कॉलेज

आयोजक – हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज



संयोजक

डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय
प्राचार्य, बिधानचंद्र कॉलेज,
आसनसोल



Principal
Bidhan Chandra College
Govt. Sponsored
P.O, Asansol, Dist- Burdwan

दिनांक - 5/08/19.

दिनांक 5/08/19 को हिन्दी विभाग, उई विभाग ने एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसका विषय है - "प्रेमचंद जयन्ती" इस अति सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल के आन्वयिक कक्षाकार शिव कुमार भादव जी शामिल हैं हुए हैं। सेमिनार 12 बजे से 4 बजे तक चला। जिसमें विभाग के सभी अध्यापकों और छात्रों की भागीदारी और सहयोग अनुरूप रहा।

- * छात्रों की तरफ से सभी वक्ताओं से प्रश्नोत्तर हुआ।
- * प्रेमचंद जी पर अध्यापकों के अंतर्गत मतभेद से अनेक सवालों के उत्तर साफ हुए।
- * इस आयोजन में कॉलेज के अध्यापकों की भागीदारी और सहयोग सराहनीय रहा।

अध्यापकों के नाम हस्ताक्षर

1. रिकुं गाह - R. Shah
2. निषकान्त विवारी - ~~Shiv Kumar~~
3. मोक्षमी सिंह - ~~Shiv Kumar~~
4. आलम शेरव - ~~Shiv Kumar~~

विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

छात्र-छात्राओं के नाम

1. काजल कुमारी वर्मा
2. सुईटी कुमारी वर्मा
3. प्रसान्त प्रसाद
4. विशावत ठाकुर
5. लिखा वर्णवाल
6. स्ववीहा बाजगाह
7. प्रिती कुमारी राजक
8. मंजली कुमारी भाव
9. आरती कुमारी
10. रीतली छमा
11. शिखा गिरी
12. अमिता भक्त
13. सुमम प्रसाद
14. शिवम शवाहन
15. जूली कुमारी
16. प्रिया कुमारी
17. जलरिया शिविल
18. श्वशवू कुमारी
19. सुधानी कुमारी राजभर
20. रंध्या सिंह
21. अपणा कुमारी वनवाल
22. इशा शर्मा
23. अबीश कुमार साव
24. अतुल वरववाल
25. शिविक शर्मा
26. इमरू प्रसाद
27. प्रियंका साव
28. सुप्रिया तिवारी
29. मेधा श्रेष्ठा
30. रीशनी कुमारी शर्मा
31. शौनस पाठेवर
32. सुनीधी कुमारी सिंह
33. लक्ष्मीनीया राजक
34. प्रिती कुमारी भाव
35. सिमरन परवीन
36. अचंदन सिंह
37. Shama Parwarsh.
38. रूपाशर शर्मा
39. सुप्रदीप शर्मा
40. प्रियांशु कुमार प्रसाद
41. रुचि कुमारी
42. सिमरन कुमारी
43. रीनक परवीन
44. दिशा कुमारी साव
45. मंजली शर्मा
46. मिशा कुमारी मंडल
47. राजन कुमार शर्मा
48. मासूम शर्मा
49. दिपिका कुमारी दास
50. रिपक पादव
51. आरिधत प्रजाद
52. वरसा प्रसाद
53. लक्ष्मी कुमारी
54. इमनवैष कौर
55. सिल्या प्रसाद
56. Nadish Maleik
57. Ayesha Zarghe.
58. सजना साव
59. Subham Prasad
60. Suraj Mahato

अध्यापकोको कोह नाम	हस्ताक्षर
1. रिकु झाँडे	R. Shen
2. निशि कान्त शिवाजी	Shiwan
3. Md. Tanveer	Md. Tanveer
4. मोसमी रिए	Mosimhi
5. Manju Goswami	M. Goswami
6. Sohana Parveen	Sohana Parveen
7. SABA PARWEEN	Saba Parveen
8. वसुधा मरमा	Vasudha Marma
9. Md. Shakil Ahmad Khan	Shakil Ahmad Khan
10. Dr. Anup Katan Basak	Dr. Anup Katan Basak
11. Rajdeep Chaya	Rajdeep Chaya
12. Anshu Kishorey	Anshu Kishorey
13. Dipankar Arosh	Dipankar Arosh
14. Saumen Chakraborty	Saumen Chakraborty

रिपोर्ट

‘प्रेमचंद जयन्ती’

हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग बिधानचंद्र कॉलेज, आसनसोल के सभागार में दिनांक 05-08-2019 को ‘प्रेमचंद जयन्ती’ के अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य रूप से दोनों विभागों के अध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसकी अध्यक्षता हिन्दी के आंचलिक कथाकार शिवकुमार यादव जी ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वागत भाषण हमारे कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने छात्रों से कलम के सिपाही प्रेमचन्द के जीवन और साहित्य से प्रेरणा और प्रोत्साहन लेने की बात करते हुए कहा कि आप भी देश और समाज को बदलने की भूमिका निभा सकते हैं। इसमें हमारी सहभागिता सदैव आप के साथ रहेगी।

डॉ. शकील अहमद खान ने प्रेमचंद को हिन्दी-उर्दू की साझी विरासत का महान कथाकार कहा, जिन्होंने अपने पूर्व की ऐयारी, जासुसी और रोमानियत की कथा संरचना से अलग करते हुए अपने समय समाज के यथार्थ से रूबरू कराया। मो. तनवीर ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ, गरीबों, दलितों, उपेक्षितों की दर्द और जुल्म की एक मुकम्मल दस्तावेज है। डॉ. मौसमी सिंह ने कहा कि प्रेमचंद ने नारी जीवन की त्रासदी और साहस को अपने सम्पूर्ण कथा साहित्य में यथोचित रेखांकित किया है। डॉ. रिकू साह ने कहा कि – प्रेमचंद की भाषा जितनी सहज है, उतनी ही मनोवैज्ञानिक है और उतनी यथार्थ एवं संवेदना युक्त भी है। यही उनकी पठनीयता और आकर्षण का राज है। डॉ. सुहाना परवीन ने कहा प्रेमचंद की ‘ईदगाह’ कहानी मुझे सदाबहार कहानी लगती है। यह कहानी मुझे बचपन से लेकर आज तक उसी तरह से प्रभावित-रोमांचित करती है।

छात्र-छात्राओं में उर्दू विभाग की रीना परवीन, आयशा खान, फरहा नाज और हिन्दी विभाग की लक्ष्मी कुमारी, दीक्षा वर्णवाल ने प्रेमचंद के जीवन-परिचय और साहित्य योगदान की एक संक्षिप्त रूप-रेखा प्रस्तुत किया। सुमन अग्रवाल ने प्रेमचंद के ‘सेवासदन’ उपन्यास में नारी के वेश्या जीवन की समस्या और प्रेमचंद के सुधारवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला। शीतल प्रसाद, आयशा खान और मनीषा कुमारी ने प्रेमचंद पर अपनी स्वरचित कविता पाठ किया।

निशीकांत तिवारी ने प्रेमचंद के साहित्य का उद्देश्य नामक आलोचनात्मक कृति पर उनके विचारों का विश्लेषण किया। डॉ. विजयनारायण ने किसान जीवन को लेकर गोस्वामी तुलसीदास और प्रेमचंद के विचारों की तुलनात्मक व्याख्या और प्रभाव का आकलन प्रस्तुत किया। शिवकुमार यादव ने अपने लेखन की प्रेरणा को प्रेमचंद और संजीव से जोड़ते हुए कहा कि प्रेमचंद और मैक्सिम गोर्की ने अपने आदर्श और यथार्थ द्वारा अपने समय-समाज और देश को आन्दोलित प्रभावित किया है। वह साहित्य के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आलम शेख ने अपनी टिप्पणियों के साथ हँसमुख अंदाज से किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन निशीकांत तिवारी ने दिया।

'प्रेमचंद जयन्ती' छायाचित्र

